an>

Title: Need to give compensation at the rate of Rs. 10 Lakh to kin of soldiers killed in firing by Pakistan.

श्री जुगल किशोर (जम्मू) : आदरणीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपका बहुत आभार प्रकट करना चाहता हूं, क्योंकि आपने मुझे बड़े ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने की इजाजत दी। ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान जम्मू-कश्मीर की सीमा की ओर ले जाना चाहता हूं, जहां आये दिन पाकिस्तान की गोलियों से जम्मू-कश्मीर की सीमा पर रहने वाले लोगों को निशाना बनाया जाता है, उनके पशुओं और उनके घरों को निशाना बनाया जाता है। वहां आये दिन लोग शहीद होते रहते हैं। ...(व्यवधान) जम्मू-कश्मीर सरकार की कोई ऐसी पालिसी नहीं है कि जो लोग शहीद होते हैं, उनके परिवार वालों को कोई नौकरी दी जाये या फिर उनको कुछ धनराशि दी जाये, जिससे उसका परिवार अपना निर्वाह कर सके। ...(व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर भी दिलाना चाहता हूं कि वहां लोगों को पलायन करना पड़ता है, जिससे उनके बच्चों की शिक्षा अस्त-व्यस्त होती है। इससे बच्चों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। ...(व्यवधान) गोलीबारी के कारण सीमा पर स्थित भारतीय किसानों के घर और फसल, दोनों खराब हो जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद भी इन लोगों में देश-भक्ति का जो ज़ज्बा है, वह बरकरार रहता है। ...(व्यवधान) ये लोग बिना किसी हथियार के भारतीय सेना के साथ सीमा की सुरक्षा में तत्पर रहते हैं। ...(व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर में रहने वाले भारतीय लोगों के लिए, विशेष तौर पर सीमा पर रहने वाले लोगों के लिए भर्ती योजना के तहत अभियान चलाया जाये और उन नौजवानों को भारतीय सेना और अर्द्धसैनिकों बलों में भर्ती किया जाये, जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त हो सके। ...(व्यवधान)

हमारा सरकार से यह भी निवेदन है कि हमारे भारतीय जवान जो पाकिस्तान की गोली से शहीद होते हैं, उनके परिवार वालों को कम से कम दस लाख रुपये का मुआवजा मिलना चाहिए। धन्यवाद। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र और कुमारी शोभा कारान्दलाजे जी को श्री जुगल किशोर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।